

प्रारूप— तीन

समाजिक समाधात निर्धारण प्रतिवेदन

(नियम 23 देखिये)

1. परियोजना क्षेत्र की जनसांख्यिकी का विवरण —

(क)	कुल जनसंख्या	(एक)	पुरुष 1346	(दो)	महिला 1520
(ख)	बच्चों की जनसंख्या	(एक)	पुरुष 115	(दो)	महिला 116
(ग)	जातिवार जनसंख्या	(एक)	अ.ज.जा. 2064 (दो)	ज.जा. 108	
		(तीन)	अ.पि.व. 685	(चार)	अन्य
(घ)	धर्मवार जनसंख्या	(एक)	हिन्दू 2866	(दो)	मुस्लिम
		(तीन)	सिक्ख	(चार)	ईसाई
		(पाच)	बौद्ध	(छ.)	अन्य

2. गरीबी रेखा के नीचे की परिवारों की संख्या 439

3. वृद्धावस्था पेशनरों की संख्या 122

4. निराश्रित पेशनरों की संख्या 68

5. निरक्षर पुरुष एवं महिलाओं की संख्या

6. सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन

7. प्रशासनिक संगठन नहीं है

8. राजनीतिक संगठन — १

9. सिविल सोसाइटी संगठन एवं सामाजिक सदस्य

10. भूमि का उपयोग— (एक) कृषि भूमि है.

(दो) पड़त भूमि है.

(तीन) सिंचित एक फसली भूमि है.

(चार) सिंचित दुफसली भूमि है.

(पाच) असिंचित भूमि है.

11.	जोत का आकार—	(एक) लघु कृषकों की संख्या (दो) सीमांत कृषकों की संख्या (तीन) कुल खातों की संख्या (चार) भूमिहीन व्यक्तियों की संख्या (पांच) वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अधिकार धारण करने वाले व्यक्तियों की संख्या (तीन वर्ष या उससे पूर्व निवासरत् की संख्या पृथक से दी जाये�)	10
12.	पशुधन—	(एक) पशुधन की संख्या (दो) दुधारू पशुधन की संख्या	
13.	प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कार्य एवं रोजगार		
14.	पलायन		निरंक
15.	रोजगार में महिलाओं की भागीदारी		→
16.	खाद्य सुरक्षा		→
17.	अन्य स्थानीय रोजगार		
18.	मजदूरी दर		
19.	ऋण तक पहुंच		
20.	परिवहन एवं सड़क		204
21.	सिंचाई		ट्रेन ट्रानिंग
22.	बाजार तक पहुंच		
23.	पर्यटन स्थल		- बोर
24.	सहकारी संस्थाएं		सड़क
25.	रहन—सहन —		781
	(एक) धारणाएं, सौदर्यप्रवत्तता मोह एवं अभिलाषा		सहकारी बैंक सरोना
	(दो) गृह		बुद्धादेव, आदिवासी जीवनशैली
	(तीन) सामुदायिक एवं सिविल स्थान		कच्चा एवं पक्का मकान
			रंगमंच भवन

(चार)	धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल	सांस्कृतिक भवन
(पांच)	भौतिक अधोसंरचना (यथा जलआपूर्ति, सीवरेज सिस्टम इत्यादि)	नल-जल योजना
(छ.)	लोक सेवा अधोसंरचना (यथा विद्यालय, स्वास्थ्य सुविधाएं, आंगनबाड़ी, लोक वितरण सिस्टम इत्यादि)	स्कूल, आंगनबाड़ी, लोक सेवा केन्द्र
(सात)	सुरक्षा, अपराध एवं हिंसा।	.....

### महत्त्वपूर्ण समाधात क्षेत्र

1. भूमि, जीविका और आय पर समाधात-

(क)	रोजगार के स्तर और प्रकार	रोजगार गारंटी
(ख)	अंतरीय परिवार रोजगार के तरीके	.....
(ग)	आय के स्तर	मध्यम
(घ)	खाद्य सुरक्षा	खाद्य सुरक्षा
(ङ.)	जीवन निर्वाह का स्तर	सामान्य
(च)	उत्पादक संसाधनों तक पहुंच और नियंत्रण	उत्पादक संसाधनों तक पहुंच
(छ.)	जीविका के विकल्पों तक महिलाओं की पहुंच	जीविका के विकल्पों तक महिलाओं की पहुंच

2. भौतिक संसाधनों पर समाधात-

(क)	प्राकृतिक संसाधनों (यथा मिट्टी, वायु, जल, वन) पर समाधात
(ख)	जीविका के लिए भूमि एवं सार्वजनिक संपत्ति, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव

3. निजी संपत्तियों, लोक सेवाओं और उपयोगिताओं पर समाधात-

(क)	विद्यमान स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की क्षमता	उपलब्ध
(ख)	गृह सुविधाओं की क्षमता	उपलब्ध
(ग)	स्थानीय सेवाओं की पूर्ति पर दबाव	.....
(घ)	बिजली व जल पूर्ति की पर्याप्ता, सड़के, सफाई व कचरा प्रबंधन प्रणाली	.....
(ङ.)	निजी संपत्तियों जैसे बोरवेल इत्यादि पर समाधात	.....

4. स्वास्थ्य समाधात-

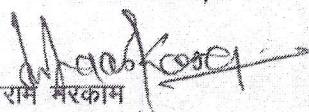
- (क) महिलाओं के स्वास्थ्य पर समाधात  
 (ख) वृद्धजनों के स्वास्थ्य परपर समाधात
- जांच समय पर होता है।  
 — जांच समय पर होता है।

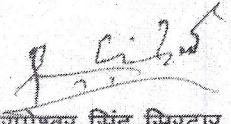
5. सांस्कृतिक तथा सामाजिक स्थितियों पर समाधात-

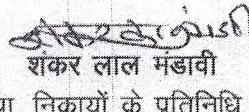
- (क) स्थानीय राजनीतिक संरचना का रूपान्तरण— राजनीतिक दल के विधायक है।  
 (ख) जनसांख्यिकी परिवर्तन  
 (ग) आर्थिक, पारिस्थिकी संतुलन में परिवर्तन— कृषि पर आधारित  
 (घ) मापदण्ड, विश्वास, मूल्यों एवं सांस्कृतिक जीवन पर समाधात— सही है  
 (ङ.) अपराध एवं अवैध क्रियाकलाप  
 (च) विस्थापन का तनाव  
 (छ) सयुक्त परिवारों के विखण्डन का समाधात
- नहीं हो रहा है।  
 — नहीं हैं  
 — कुछ नहीं

6. चक्रीय परियोजना के विभिन्न चरणों पर समाधात-

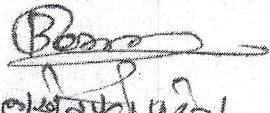
- (क) पूर्व-संनिर्माण चरण— कोई समस्या नहीं  
 (ख) संनिर्माण चरण— कोई समस्या नहीं  
 (ग) प्रवर्तन चरण— परिवर्तित मार्ग का प्रावधान है।  
 (घ) कार्य से हटाने वाला चरण— आवश्यकता नहीं  
 (ङ.) प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष समाधात— नहीं।  
 (च) संचित समाधात (प्रश्न में परियोजना के विन्हाकित समाधात क्षेत्रों को मिलाकर अन्य परियोजना के समाधात)

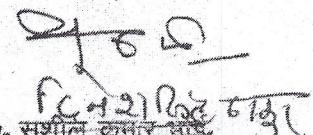
  
 रातीराम वर्मा  
 गैर शा.सा. वैज्ञानिक  
 बोर्डेडा सिकागाव

  
 रामरेखर सिंह सिरदार  
 पुर्नव्यवस्थापन विशेषज्ञ  
 स.नि. डिप्टी कलेक्टर

  
 शक्ति लाल मडवी  
 स्था. निकायों के प्रतिनिधि  
 ग्राम लिहागांव

  
 एम.के. ठाकुर  
 परि. से संबंधित विषय का  
 तकनीकी विशेषज्ञ  
 उपअधिकारी, लो.नि.वि.

  
 बोर्ड  
 विभिन्न नियम परिवर्तन  
 गैर शा.सा. वैज्ञानिक  
 सरपंच, लिहागांव

  
 सुशाश्वत बुश्त्रान्त बाटुर  
 संयोजक  
 तहसीलदार, बड़ेराजपुर

## प्रारूप-चार

विषय-वस्तु		
	(क) परियोजना और लोक प्रयोजन	लिहागांव-बांसकोट मार्ग, कि.मी. 2/10 भवरडीग नदी पर सेतु निर्माण कार्य।
	(ख) स्थान,	लिहागांव-बांसकोट
	(ग) भूमि अर्जन का आकार और विशेषता	0.704 हेक्टेयर
	(घ) अनुकूल्यों पर विचार	किया गया पर कोई बेहतर विकल्प नहीं
	(ङ.) सामाजिक समाधात	लाभ की तुलना में ना के बराबर
	(च) कमी करने के उपाय	समाधात प्रतिपूर्ति के लिए व्यय
	(छ.) सामाजिक लागत और फायदों का निर्धारण जिससे शिक्षा व्यापार एवं कृषि में वृद्धि	सेतु से शिक्षा व्यापार व कृषि में वृद्धि होगी
परियोजना के विवरण का व्यौरा	(क) परियोजना के पृष्ठोंमें जिसके अंतर्गत विकासकर्ता की पृष्ठोंमें और शासन या प्रबंधन संरचना रहित	शासन द्वारा मुख्य बजट में स्वीकृत कार्य सेतुमय पहुंच मार्ग निर्माण हेतु
	(ख) परियोजना का मूलाधार, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्वस्थापन में उचित प्रतिक्रिया और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 में परियोजना किस तरह लोक प्रयोजन के लिए उपयुक्त है, सूचीबद्ध मापदण्डों सहित।	सेतु से आवागतन सुविधा व्यापार कृषि के रस्तर में वृद्धि होगी
	(ग) परियोजना के आधार अवस्थान क्षमता उत्पादन, लक्ष्य, लागत, जोखिम का व्यौरा	जोखिम नहीं
	(घ) अनुकूल्यों की परीक्षा	अन्य कोई बेहतर विकल्प नहीं
	(ङ.) परियोजनाओं के सन्निम्नण की अवश्याएं	सेतु निर्माण धीन है
	(च) मूल डिजाइन की विशिष्टियों और सुविधाओं का आकार और प्रकार	निरक
	(छ.) सहायक अधोसरचनात्मक सुविधाओं की आवश्यकता	नहीं
	(ज.) कार्यबल अपेक्षाएं (अस्थाई और स्थाई)	आवश्यक नहीं
	(झ.) सामाजिक समाधात निर्धारण या पर्यावरण समाधात निर्धारण का व्यौरा यदि पहले से किया गया है और तकनीकी साध्यता रिपोर्ट	नहीं
दल की संरचना दृष्टिकोण प्रणाली और सामाजिक समाधात निर्धारण की अनुसूची	(क) दल की सभी सदस्यों की अहंता सहित सूची दल लिए, विशेषज्ञों सहित	पृथक से सलग्न
	(ख) सामाजिक समाधात निर्धारण हेतु सूचना संग्रहण के लिए प्रयोग में आने वाली प्रणाली का विवरण और मूलाधार तथा साधन	स्थल निरीक्षण रथानीय पुछताछ एवं जनसुनवाई द्वारा
	(ग) नमूना प्रणाली का उपयोग	नहीं किया गया है
	(घ) सूचना अथवा डाटा स्रोतों के प्रयोग का पर्यावलोकन (विस्तृत निर्देशों का पृथक रूप से प्रारूपों में सम्मिलित करें।	आवश्यकता नहीं है
	(ङ.) प्रमुख परियोजनों के साथ परामर्श और कोई गई लोक सुनवाईयों के संक्षिप्त विवरण की अनुसूची (लोक सुनवाईयों के ब्यौरे और विनिदिष्ट पुनर्निवेशन को रिपोर्ट में रखकर प्रारूपों में सम्मिलित किया जाना चाहिए।)	प्रारूप दो में सहमति संलग्न है

(क)	भूमि तालिका की सूचना और प्राथमिक स्त्रोत-नक्शों की सहायता से वर्णन करें।	पृथक से सलग्न है
(ख)	परियोजना के प्रभाव के अधीन पूर्ण संघटन क्षेत्र (अर्जन के लिए भूमि क्षेत्र तक सीमित नहीं है)	रथल निरीक्षण स्थानीय पूछताछ एवं जन सुनवाई द्वारा
(ग)	परियोजना के लिए कुल अपेक्षित भूमि	0.704 हेक्टेयर
(घ)	वर्तमान में किसी सार्वजनिक अनुपयोग भूमि जो कि परियोजना क्षेत्र के आसपास है का उपयोग	सार्वजनिक निरस्तार है
(ङ.)	भूमि (यदि कोई हो) पहले से ही क्रय की गई अन्य सक्रमित पट्टे पर या अर्जित है और परियोजना के लिए अपेक्षित भूमि के प्रत्येक प्लाट का उपयोग।	निरक
(च)	परियोजना के लिए अर्जित की जाने वाली प्रस्तावित भूमि का परिमाण और स्थान	तोसकापाल में 0.704 हेक्टेयर (निर्माणधीन रोतुम्य पहच मार्ग )
(छ)	भूमि की प्रकृति वर्तमान उपयोग और बर्गीकरण तथा यदि कृषि भूमि हो तो सिंचाई क्षेत्र और फसल क्रम	सिंचित
(ज)	धारित भूमि का आकार स्वामित्व कम भूमि वितरण और आवासीय सदनों की संख्या	0.704 हेक्टेयर भूमि स्वामी हक में धारित आवासीय सदस्य संख्या निरक
(झ.)	भूमि की कीमत और स्वामित्व में नए परिवर्तन पिछले 3 वर्षों से भूमि का अंतरण और उपयोग	कृषि प्रयोजनार्थ
प्रभावित परिवारों एवं संपत्तियों (जहाँ अपेक्षित हो का प्रावक्लन और प्रगणन)	निम्नलिखित प्रकार के परिवारों का प्रावक्लन इस प्रकार से है।	
(क)	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित (स्वयं की भूमि जो कि अर्जन के लिए प्रस्तावित है।	15
(एक)	किसाएंदार हैं अथवा अर्जन के लिए प्रस्तावित भूमि के अधिभोगी हैं।	कोई नहीं
(दो)	अनुसूचित जनजातियों और अन्य परम्परागत वन्य निवासी जिनके किसी भी वन्य अधिकार की हानि हुई है।	नहीं
(तीन)	सामान्य भूमि रस्तों पर आश्रित जो कि उनकी जीविका की भूमि के अर्जन के कारण प्रभावित होगी।	नहीं
(चार)	समुचित सरकार द्वारा अपनी किसी रकीम के अधीन भूमि सोंपी गई है और इस तरह की भूमि अर्जन के अधीन है।	नहीं
(पांच)	भूमि अर्जन से पूर्व शहरी क्षेत्रों की किसी भूमि में पिछले तीन वर्षों से जीविका का प्राथमिक स्त्रोत है पर आश्रित है।	नहीं
(छ.)	अर्जन से पूर्व भूमि जो कि पिछले तीन वर्षों से जीविका का प्राथमिक स्त्रोत है पर आश्रित है।	नहीं
(ख.)	परियोजना द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं है।	नहीं
(ग)	उत्पादक आस्तियाँ और महत्त्वपूर्ण भूमियों की तालिका	नहीं

सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक पारदर्शक (प्राप्तिक क्षेत्र और पुनर्वासन)	(१)	प्राप्तिक क्षेत्र न जानवरों का जानवारियकी जीवा	प्राप्तिक क्षेत्र न जानवरों का जानवारियकी जीवा
	(२)	आय एवं गरीबी स्तर	नहीं
	(३)	दुर्बल समूह	कृषि एवं कृषि मजदूरी
	(४)	भूमि उपयोग और जीविका	वनोपज संग्रहण
	(५)	स्थानीय आर्थिक क्रियाकलाप	भूमि एवं वन उत्पाद
	(६)	कारक जिनका रक्षणीय जीविका में योगदान है।	जनजातिय एवं पारिवारिक व्यवस्था
	(७)	नातेदारी क्रम तथा सामाजिक और सारकृतिक समर्थन	जनजातिय एवं पारिवारिक व्यवस्था
	(८)	प्रशासनिक संगठन	छ.ग. शासन
	(९)	राजनीतिक संगठन	ग्राम पंचायत
	(१०)	समुदाय-आधारित और रियल सोसायटी संगठन	जाति सामाजिक संगठन
	(११)	क्षेत्रीय सक्रियता और ऐतिहासिक परिवर्तन प्रक्रियाएँ	निरक
	(१२)	जीवन पर्यावरण की गुणवत्ता	अच्छी
सामाजिक समाधान	(१३)	पहचान में आये समाधारों के लिए कार्य ढांचा और दृष्टिकोण	कोई नहीं
	(१४)	परियोजना चक्र के विभिन्न स्तरों पर समाधारों का विवरण, जैसे स्वास्थ्य तथा जीविका और संस्कृति प्रत्येक प्रकार के समाधार पृथक अथवा अप्रत्यक्ष समाधान है। प्रभावित परियारों के विभिन्न वर्गों पर भेददर्शक समाधान और जहां लागे हो आकलित समाधान।	कोई नहीं
लागतों और फायदों का विश्लेषण और अर्जन पर सिफारिश	(१५)	समाधान क्षेत्रों की सूचक सूची में सम्प्रिलिपि है भूमि, जीविका और आय, भौतिक संसाधन, निवासी आस्तियां, लोक सेवाओं और उपयोगिताओं रखार्थ, संस्कृति और सामाजिक संबंध तथा लिंग आधारित समाधान।	कोई नहीं
	(१६)	लोक प्रयोजन का निधारण, निम्न-विस्थापित अनुकृत्य तथा भूमि की न्यूनतम अपेक्षाएँ, सामाजिक समाधान की प्रकृति और गहनता शासन के उपायों की व्यवहार्यता और प्रतिकूल सामाजिक लागतों की व्याख्या के समाधान के बारे में अंतिम निष्कर्ष।	प्रस्तावित अर्जन लोक हित में है भू-अर्जन से ज्ञाति न्यूनतम होगी सेतू से आवागमन सुविधा शिक्षा कृषि व्यापार का स्तर बढ़ेगा
निर्देश एवं प्राप्ति	(१७)	उपरोक्त विश्लेषण नियम में वर्णित साधा विद्यालय का अंतिम सिफारिश प्रस्तुत करने पर कि क्या अर्जन होना चाहिए या नहीं विश्लेषण की कसीटी के ऊपर में उपयोग किया जायेगा।	अतः अर्जन किया जाना चाहिए
		निर्देश एवं आगे शूलक हेतु	

रतिराम मरकाम  
गैर शा.सा. वैज्ञानिक  
वैरबेड़ा सिकागांव

रमेश्वर सिंह सिरदार  
पुर्णव्यवस्थापन विशेषज्ञ  
से.नि. डिप्टी कलेक्टर

शंकर लाल मडावी  
रथा, निकायों के प्रतिनिधि  
ग्राम लिहागांव

एम.के. ठाकुर  
परि. से संबंधित विषय का  
तकनीकी विशेषज्ञ  
उपअधिकारी, लो.नि.वि.

B  
विज्ञान नितान  
गैर शा.सा. वैज्ञानिक  
सरपंच, लिहागांव  
प्रिया दुर्घाना  
सुशीला कुमार  
संयोजक  
तहसीलदार, बड़ेराजपुर